

**August
2023**

Newspaper Clips

Based on

**Times of India | The Hindu | Economic Times | Financial
Express | The Telegraph | Deccan | The Statesman | The
Tribune | The Asian Age | Aajkaal | Anandabazar
Patrika | Ekdin | Sanmarg | Eisamay | Business Line |
Sangbad Pratidin**



**Chittaranjan National Cancer Institute
CNCI Library**

ক্যানসারকে হার মানিয়ে উত্থান
কাইসেদোর- আনন্দবাজার পত্রিকা,
1st Aug. 2023

ক্যানসারকে হার মানিয়ে উত্থান কাইসেদোর

নিজস্ব প্রতিবেদন

৩১ জুলাই: জার্মানির বক্সে তাঁর দুটি টাচ ফাঁকা করে দিয়েছিল রক্ষণ। বাঁ-দিকের কোণ থেকে তাঁর বাঁক খাওয়ায় শট জড়িয়ে যায় জালে। মেয়েদের ফুটবল বিশ্বকাপে জার্মানিকে ২-১ হারিয়ে অঘটন ঘটায় কলম্বিয়া। চলতি বিশ্বকাপে সব চেয়ে বড় অঘটন হিসেবে যা দেখা হচ্ছে। ১৯৯৫ সালের পরে মেয়েদের বিশ্বকাপের গ্রুপ পর্বের ম্যাচে এই প্রথম হারল জার্মানি। কটা হয়ে দাঁড়ালেন ১৮ বছর বয়সি এক তরুণী।

কলম্বিয়ার জয়ের দিনে তারকা হয়ে উঠেছেন কাইসেদো। একটি গোল করে ও একটি গোল করার পাস দিয়ে জার্মানির দুঃস্থ হতে ওঠেন তিনি। কিন্তু ছোটবেলায় কাইসেদোর জীবনে অভিশাপ হয়ে দাঁড়িয়েছিল ক্যানসার। ১৪ বছর বয়সে আন্তর্জাতিক ফুটবলে অভিষেক হয় এই তরুণীর। তার পরেই জরায়ুতে ক্যানসার ধরা পড়ে। ছ'মাস চিকিৎসা চলে। অস্ত্রোপচারও হয়। কেমো দেওয়া হয়। কিন্তু অষ্টম মাসেই ট্রেনিংয়ে ফিরে আসেন তিনি।

মাঝে মধ্যে ট্রেনিং করতে গিয়ে মাথা ঘুরে পড়ে যান তিনি। চলতি বিশ্বকাপেই একটি ম্যাচের আগে অনুশীলনের সময় মাঠে পড়ে যান কাইসেদো। কলম্বিয়ার মেডিক্যাল দলের এক সদস্য জানান, ক্যানসারের সঙ্গে এই সমস্যার কোনও যোগ নেই। ১৮ বছর বয়সে প্রথম বিশ্বকাপ খেলার চাপ কাইসেদো সামলাতে পারেননি। সেই কারণেই পড়ে যান। রক্তচাপও বেড়ে গিয়েছিল।

২০২২ সালে চারটি আন্তর্জাতিক প্রতিযোগিতায় খেলেছেন কাইসেদো। অনুর্ধ্ব-১৭ বিভাগে দক্ষিণ আমেরিকার ফুটবল চ্যাম্পিয়নশিপ, অনুর্ধ্ব-২০ ফুটবল বিশ্বকাপ, মেয়েদের কোপা আমেরিকা ও ভারতের মাটিতে ঘটে যাওয়া অনুর্ধ্ব-১৭ ফুটবল বিশ্বকাপ। বর্তমানে কাইসেদোর বয়স ১৮। কিন্তু এক বছর আগেই তাকে সই করায় রিয়াল মাদ্রিদ।

কলম্বিয়ার সহকারী কোচ

আল্ফ্রেদো মারসিগলিয়া মনে করেন, অন্য গ্রুপ থেকে এসেছেন কাইসেদো। তাঁর কথায়, “ওর মতো প্রতিভাবান এই পৃথিবীতে আর একটা আছে বলে আমার জানা নেই। ক্যানসার থেকে ফিরে এ ভাবে নিজেকে মেলে ধরা সহজ নয়। ওর পায়ের কাজ অপূর্ব। জার্মানির বিরুদ্ধে ও যে গোলটা করেছে, তা কলম্বিয়ার ইতিহাসে অন্যতম গুরুত্বপূর্ণ গোল।”

বিশ্বকাপে এটাই প্রথম গোল নয় কাইসেদোর। দক্ষিণ কোরিয়ার বিরুদ্ধেও একই রকম ভাবে বক্সের কোণ থেকে তাঁর শট জালে জড়িয়ে যায়। মেয়েদের বিশ্বকাপে কনিষ্ঠতম ফুটবলার হিসেবে গোল করার নজির গড়েন সেই ম্যাচে। জার্মানির বিরুদ্ধে গোলের পরে চলতি বিশ্বকাপের সর্বোচ্চ গোলদাতার তালিকায় দ্বিতীয় স্থানে উঠে এসেছেন তিনি।

কাইসেদোর ছোটবেলার কোচ মনে করেন, তাঁর উপরে ঈশ্বরের আশীর্বাদ রয়েছে। হয়তো তাঁর ছোঁয়াতেই এই পৃথিবীর আলো দেখেছেন তিনি। কোচ বলেছেন, “ওর মধ্যে ঐশ্বরিক দক্ষতা আছে। ছোটবেলা থেকেই দেখেছি আর পাঁচ জনের চেয়ে ও আলাদা। কী সুন্দর পায়ের জাদু। বেশি কিছু করতেই হত না ওকে।” যোগ করেন, “ওর যখন ক্যানসার ধরা পড়ল, আমারও খাওয়া-দাওয়া বন্ধ হয়ে গিয়েছিল। সারা ক্ষণ ওর জন্য প্রার্থনা করতাম। কাইসেদো আমার মেয়ের মতোই। ওর কিছু হলে আমারও সমান কষ্ট হয়।”

বিশ্বকাপের গ্রুপ ‘এইচ’-এ কলম্বিয়া আপাতত শীর্ষে। শেষ ম্যাচে মরক্কোর সঙ্গে ড্র করলেই চলে যাবে আগামী পর্বে। এখনও পর্যন্ত মেয়েদের বিশ্বকাপে এক বারই দ্বিতীয় পর্বে খেলেছে কলম্বিয়া। এ বার যদিও কলম্বিয়াকে অনেক বেশি শক্তিশালী দেখাচ্ছে। সহকারী কোচ আল্ফ্রেদো বলেছেন, “এ বার আশা করি এ বার দল ভাল খেলবে। আমরা যে ভাবে খেলছি, তাতে কোয়ার্টার ফাইনালেও চলে যেতে পারি। কাইসেদো অসাধারণ ছন্দে রয়েছে। এ বারের বিশ্বকাপ ও-ই জমিয়ে তুলবো।”



■ মধ্যমণি: গোলের পরে সতীর্থদের সঙ্গে উৎসব কাইসেদোর। টুইটার

শহরে ক্যানসার চিকিৎসার নতুন হাসপাতাল – আনন্দবাজার পত্রিকা, 4th Aug. 2023

শহরে ক্যানসার চিকিৎসার নতুন হাসপাতাল

নিজস্ব সংবাদদাতা

ক্যানসার নিরাময়ে অনেকেই যান মুম্বইয়ের টাটা মেমোরিয়াল সেন্টারে। কিন্তু সেখানে প্রশিক্ষিত চিকিৎসকেরা একই ছাদের নীচে এ রাজ্যে পরিষেবা দিলে উপকৃত হবেন বহু মানুষ। বৃহস্পতিবার মুকুন্দপুরের এক বেসরকারি হাসপাতাল গোষ্ঠীর ক্যানসার চিকিৎসা কেন্দ্রের উদ্বোধনে এ কথা বলেন মুম্বইয়ের হাসপাতালের

উপ-অধিকর্তা, চিকিৎসক পঙ্কজ চতুবেদী। মুম্বইয়ের ওই হাসপাতালের সঙ্গে গাটছড়া বেঁধে এসএসকেএম ও উত্তরবঙ্গ মেডিক্যাল কলেজে ক্যানসার চিকিৎসা কেন্দ্র গড়ছে রাজ্য।
নবাম থেকে ভারুয়ালি উদ্বোধন করে মুখ্যমন্ত্রী মমতা বন্দ্যোপাধ্যায়

জানান, মেডিকা হাসপাতালের ক্ষমতা সিদ্ধাপুর সরকারের সংস্থার হাতে। তাঁর আশা, এখানে ক্যানসারের উন্নত চিকিৎসা মিলবে। মেয়র ফিরহাদ হাকিম জানান, হাসপাতালের ও পুরসভার ‘মউ’ চুক্তির ভিত্তিতে স্বাস্থ্যসাথী ওয়ার্ড চালু হয়েছে।

ক্যানসার হাসপাতালের অধিকর্তা, চিকিৎসক সৌরভ দত্ত বলেন, “পঙ্কজ স্যারের অনুপ্রেরণায় টাটা মেমোরিয়ালের ১৬ জন প্রাক্তনী কাজ শুরু করেছি।” হাসপাতালের সিনিয়র ক্যানসার চিকিৎসক সুবীর গঙ্গোপাধ্যায় বলেন, “প্রযুক্তি ও চিকিৎসকের মেলবন্ধনে পূর্বাঞ্চলের ক্যানসার চিকিৎসায় দিশা দেখাবে।”



कैंसर के इलाज के लिए कोलकाता में खुला अस्पताल

स्वास्थ्य साथी योजना के तहत 10 मरीजों का किया जाएगा निःशुल्क उपचार

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मेडिका ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल मेडिका ऑन्कोलॉजी का गुरुवार को शुरुआती उद्घाटन किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की राज्य मंत्री चंद्रिका भट्टाचार्य, कोलकाता नगर निगम के मेयर फिरहाद हकीम, मुख्य सचिव डॉ. हरि कृष्ण द्विवेदी, स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव नारायण स्वरूप निगम, टाटा मेमोरियल सेंटर, सीसीई, मुंबई के उप निदेशक डॉ. पंकज सनुवेंदी, मेडिका की बहुसंख्यक सहायक कंपनी सिमर्स इंडिया हेल्थकेयर मैनेजमेंट के सीईओ आर वैकटेश, मेडिका ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डॉ. नंदकुमार जयराम, मेडिका हॉस्पिटल के उप-निदेशक उदयन लाहिड़ी और संयुक्त



मेडिका कैंसर हॉस्पिटल के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित कैपमसी के मेयर फिरहाद हकीम, डॉ. नंदकुमार जयराम, आर वैकटेश, उदयन लाहिड़ी, अयनभ देव गुप्ता और डॉ. सोरब दत्ता

प्रबंध निदेशक अयनभ देव गुप्ता उपस्थित थे। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मेडिका सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के अधिकारियों को मेडिका कैंसर हॉस्पिटल के उद्घाटन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर मेयर फिरहाद हकीम ने बताया कि मेडिका ऑन्कोलॉजी और कैपमसी के बीच एक समझौता ज्ञापन पर करार

किया गया है, जिसके तहत अस्पताल में गरीब वर्ग के लोगों को उच्च श्रेणी की चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए स्वास्थ्य साथी वार्ड तैयार किया गया है। इस सुविधा के तहत कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति स्वास्थ्य साथी कार्ड को सहायता से इलाज कर सकेगा। इसके साथ ही अस्पताल में 10 मरीजों का निःशुल्क कैंसर उपचार किया जाएगा। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ.

नंदकुमार जयराम ने कहा कि कोलकाता में मेडिका कैंसर अस्पताल के उद्घाटन के साथ, हम पूर्वी भारत में स्वास्थ्य सेवा में बदलाव को दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। सिलीगुड़ी और रांची में सफल ऑन्कोलॉजी इकाइयों की स्थापना के बाद हमारे ट्रैक रिकॉर्ड ने हमें इस क्षेत्र में और भी अधिक रोगियों को विश्व स्तरीय देखभाल प्रदान करने की

अपनी प्रतिबद्धता बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। उदयन लाहिड़ी ने कहा कि अस्पताल में संचालित कैंसर डायग्नोस्टिक सेवा ब्रह्म को लागू है। 250 करोड़ रुपये में अधिक के निवेश और 1500 से अधिक लोगों के लिए रोजगार का सृजन किया जाएगा। मेडिका ऑन्कोलॉजी के उद्घाटन से मेडिका सुपरस्पेशलिटी चिकित्सा संस्थान की क्षमता अब 500 बेड की हो गई है। अस्पताल के संयुक्त प्रबंध निदेशक अयनभ देव गुप्ता ने कहा कि टाटा मेमोरियल सेंटर में प्रशिक्षित 30 ऑन्कोलॉजिस्ट की टीम अस्पताल में सर्वोत्तम कैंसर इलाज प्रदान करने का प्रयास करेगी। शिवर्स इंडिया हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ आर वैकटेश ने कहा कि मेडिका ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के साथ साझेदारी वाले कंपनी स्वास्थ्य सेवा में मानकों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता में कार्य कर रही हैं। अपने नवीनतम निवेश के माध्यम से, हमारा लक्ष्य राज्य में अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाना है।



सीएम ने किया कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास

बंगाल के विकास में कई और नये आम जुड़े

सन्मार्ग संवाददाता

कोलकाता : मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को नवान्न सभागार में कई परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। वीडियो कॉन्फ्रेंस से विभिन्न स्थानों को कनेक्ट किया गया था।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग : 1. पूर्वी भारत में कैंसर के इलाज में क्रांति लाने के लिए सबसे विकसित और नवीनतम तकनीक से सुसज्जित 200 बेड वाले मेडिका कैंसर अस्पताल का उद्घाटन किया।

उद्घाटन की सूची

1. लगभग 10.4 करोड़ रुपये की लागत से बालुरघाट डीएच में पोपीपी मॉडल के तहत 1.5 टेस्ला एमआरआई केंद्र।
2. इस्लामपुर एसडीएच में 1 सीटी स्कैन मशीन, जिसकी अनुमानित लागत 3.42 करोड़ रुपये है।
3. 51 करोड़ रु. की कुल



नवान्न सभागार से परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करती मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

परियोजना लागत पर मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 'तृतीयक कैंसर देखभाल केंद्र' के लिए 120 बेड वाले जी+2 भवन का उद्घाटन।

4. 41.83 करोड़ रु. की अनुमानित लागत से 1 बीपीएचसी (सैंथिया, बीरभूम) और 1 आरएच (मंगलकोट, पूर्व बर्दवान) का

विकास।

5. 12.12 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 11 अस्पतालों में 24 बेड वाला हाइब्रिड सीसीयू।

6. लगभग 50 करोड़ रु. की लागत से 56 अस्पतालों में 20 बेड वाले अतिरिक्त वार्ड।

7. 2.75 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 3 अस्पतालों में

रक्त घटक पृथक्करण इकाइयाँ (बीसीएसयू)।

8. दो जिला अस्पतालों (सूरी और कृष्णानगर) में जिला एकीकृत सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला, जिसकी अनुमानित लागत 2.5 करोड़ रु. है।

9. 0.67 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विभिन्न जिलों में 4 आयुष ओपीडी का निर्माण।

शिलान्यास हेतु परियोजना की सूची

1. 9 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के साथ मेदिनीपुर मेडिकल कॉलेज में एकीकृत क्लिनिकल भवन का नवीनीकरण।

2. 5 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकालपुर, पश्चिम बर्दवान का निर्माण।

3. लगभग 1.88 करोड़ रुपये की लागत से जिला अस्पताल, दार्जिलिंग का विशेष नवीनीकरण।

4. लगभग 1.61 करोड़ रुपये की लागत से रामपुरहाट मेडिकल कॉलेज, बीरभूम में नाइट शैल्टर का निर्माण।

अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा विभाग

बांकुड़ा जिले के सोनामुखी में 3.75 करोड़ रुपये की परियोजना लागत के साथ नए 2-पंप फायर स्टेशन का उद्घाटन किया गया। इस नए फायर स्टेशन से सोनामुखी, सिंधु, पात्रशायर और पूर्व बर्दवान जिले के आस-पास के इलाकों के लोगों को काफी फायदा होगा। इस फायर स्टेशन के संचालन के लिए विभाग की 43 कर्मचारियों को मंजूरी मिल चुकी है।

लोक निर्माण विभाग

मुर्शिदाबाद जिले के रानाग्राम में पुराने और संकोर्ण पुल को बदलकर बरहमपुर - कांदी - सुल्तानपुर रोड (एसएच -11) पर झारका नदी पर 105 मीटर लंबे 2-लेन पुल का उद्घाटन किया गया, जिसकी परियोजना लागत 30.92 करोड़ रु. है। यह पुल बरहमपुर टाउन को कांदी डपमंडल से जोड़ेगा और लगभग एक लाख आबादी लाभान्वित होगी।

ফের অসুস্থ-আনন্দবাজার পত্রিকা, 5th Aug. 2023

ফের অসুস্থ

গত বছর ক্যান্সার জয় করেছিলেন, সম্প্রতি ফের শ্বাসকষ্ট, বুকে ব্যথা। এ বার কস্টোকনড্রাইটিসে আক্রান্ত হলেন ছোট পর্দার জনপ্রিয় অভিনেত্রী ছবি মিতুল। বক্ষাঙ্গিতে আঘাত পেয়েছেন তিনি। জানান, রেডিয়েশন বা অস্টিয়োপেনিয়ার জন্য নেওয়া ইনজেকশনের কারণেই সম্ভবত এই আঘাত পেয়েছেন। তা ছাড়া অত্যন্ত কাশি বা অন্যান্য কারণেও হয়ে থাকতে পারে। তবে এর মারোও আনন্দে থাকার চেষ্টা করছেন, জিমে যাচ্ছেন ছবি।

Date: 06/08/2023

ক্যান্সারের চিকিৎসায় সরকারি ও বেসরকারি সমন্বয়ের ডাক – আনন্দবাজার পত্রিকা, 6th Aug. 2023

ক্যান্সারের চিকিৎসায় সরকারি ও বেসরকারি সমন্বয়ের ডাক

নিজস্ব সংবাদদাতা

এই রাজ্য-সহ গোটা পূর্বাঞ্চলে ক্যান্সারের উন্নত চিকিৎসা ব্যবস্থা গড়তে সরকারি ও বেসরকারি স্তরের সমন্বয় জরুরি। পরিকাঠামো, ব্যবস্থাপনা থেকে সব কিছুতেই পারস্পরিক আদানপ্রদান না থাকলে ক্যান্সার চিকিৎসার উন্নতি সম্ভব নয়। শনিবার মুকুন্দপুরের এক বেসরকারি ক্যান্সার হাসপাতালের আলোচনাসভায় এমনই মত উঠে এল চিকিৎসক ও স্বাস্থ্যকর্তাদের কথায়।

শহরের এক হোটেলে ‘রাজ্য তথা পূর্বাঞ্চলে কী ভাবে ক্যান্সার চিকিৎসার উন্নতি করা যায়’ শীর্ষক আলোচনাসভার আয়োজক ছিল মেডিকা ক্যান্সার হাসপাতাল। অংশ নেন রাজ্যের স্বাস্থ্যসচিব নারায়ণস্বরূপ নিগম, স্বাস্থ্য-অধিকর্তা সিদ্ধার্থ নিয়োগী, মেডিকা ক্যান্সার হাসপাতালের উপদেষ্টা ও চিকিৎসক সুবীর গঙ্গোপাধ্যায়, চিত্তরঞ্জন ন্যাশনাল ক্যান্সার ইনস্টিটিউট (সিএনসিআই)-এর অধিকর্তা জয়ন্ত চক্রবর্তী, ঠাকুরপুকুরের সরোজ গুপ্ত ক্যান্সার ইনস্টিটিউটের অধিকর্তা অর্ণব গুপ্ত ও রাজারহাটের টাটা মেডিক্যাল সেন্টারের অধিকর্তা পি অরুণ। সঞ্চালনায় ছিলেন মুম্বইয়ের টাটা মেমোরিয়াল সেন্টারের উপ-অধিকর্তা পঙ্কজ চতুর্বেদী।

ক্যান্সারের চিকিৎসার গোড়াতেই যে রোগ নির্ণয়ের উপরে রাজ্য সরকার জোর দিচ্ছে, তা এ দিন জানান স্বাস্থ্যসচিব। সুস্বাস্থ্য কেন্দ্রে জরায়ুমুখ, স্তন ও মুখের ক্যান্সার চিহ্নিতকরণ প্রকল্প থেকে শুরু করে জেলার হাসপাতালেই ক্যান্সার চিকিৎসার পরিকাঠামো গড়ে তোলার কথা বলেন তিনি। জানা যায়, এসএসকেএম ও উত্তরবঙ্গ মেডিক্যাল কলেজে ক্যান্সার চিকিৎসার উৎকর্ষ কেন্দ্র গড়ে তুলতে রাজ্য এবং টাটা মেমোরিয়াল গাঁটছড়া বেঁধেছে। টার্সিয়ারি কেয়ার সেন্টার হচ্ছে কামারহাটের সাগর দত্ত, মুর্শিদাবাদ ও বর্ধমান মেডিক্যাল কলেজ। আঞ্চলিক কেন্দ্র হচ্ছে কলকাতা মেডিক্যাল কলেজ। স্বাস্থ্যসচিব জানান, বিগত ছ’বছরে স্বাস্থ্যসাথী প্রকল্পে ক্যান্সারের চিকিৎসায় খরচ হয়েছে দেড় হাজার কোটি টাকা। এই প্রকল্পে দৈনিক ৬০০ জন কেমোথেরাপি নেন। এখানেই প্রশ্ন তোলেন অন্যেরা। কারণ, আলোচনায় উঠে আসে, স্বাস্থ্যসাথীতে ক্যান্সারের চিকিৎসার খরচ মেলায় সরকারি হাসপাতালে রোগীর সংখ্যা কমেছে। বেসরকারিতে ভিড় হচ্ছে। আলোচনায় অনেকেই প্রস্তাব দেন, প্রয়োজন ছাড়াও প্রকল্পের সুবিধা গ্রহণ বা প্রকল্পকে ব্যবহার করে ব্যবসায়িক মুনাফা অর্জনের মতো বিষয়গুলি আটকানো প্রয়োজন। এমন ক্ষেত্রে অভিটের প্রস্তাব দেন অর্ণব।

আবার স্বাস্থ্যসাথীতে শুধু বিনামূল্যে চিকিৎসা না দিয়ে বিনিয়োগ থেকেও কিছু আয়ের বন্দোবস্ত করে তা জনস্বাস্থ্যের কাজে খরচের প্রস্তাব দেন পঙ্কজ। যদিও স্বাস্থ্যসচিব জানান, সকলকে বিনামূল্যে চিকিৎসা দেওয়াই সরকারি নীতি। সমাজ ও জনস্বাস্থ্যে ক্যান্সারের গতিপ্রকৃতির দিকে নজর রাখতে এই রোগের রেজিস্ট্রির কথা বলেন জয়ন্ত। যা শুরু হয়েছে বলে জানান স্বাস্থ্য-অধিকর্তা। সরকারি হাসপাতালে ক্যান্সার চিকিৎসায় ড্রপ-আউটের সংখ্যা কমাতে সরকারি নজরদারির কথা বলেন সুবীর। প্রত্যন্ত এলাকার রোগীদের পরিচয়পত্র ও রাতে হাসপাতালে থাকার বন্দোবস্তের প্রস্তাব দেন তিনি। সুবীর বলেন, “সরকার স্বাস্থ্যসাথীর সুবিধা দিচ্ছে। কিন্তু এক জন রোগীর আসা, খাওয়া ও থাকতেই কয়েক হাজার টাকা লেগে যায়। তাই এমন পরিষেবাগুলিও চালু হওয়া প্রয়োজন।”

‘Cancer can be prevented and cured completely , if detected early’- The Statesman, 16th Aug. 2023

‘Cancer can be prevented and cured completely, if detected early’

PROF.(DR) ARNAB GUPTA

Cancer is as old as mankind. It was detected in early Egypt in mummies that date back 5000 years. Unfortunately, the incidence of cancer is increasing rapidly. In the next 10 years, it is likely to affect every fourth person worldwide.

STATUS OF CANCER INCIDENCE IN INDIA

The incidence all over India at the moment is 10-15 lakh annually, with West Bengal contributing an average of 1 lakh new cancer cases annually. At a time, 30 lakh people are suffering from cancer in India.

What is Cancer?

The human body has the inherent capacity to repair dead or damaged tissue through the multiplication of cells, and there is a control system for this. When there is a lack of control, the cells multiply excessively and form a lump. This is called a tumour. This can be benign, where the lump is slow-growing, does not cause damage to the neighbouring structure, does not spread to other organs, and is usually not fatal. The other type of tumour is obviously malignant (cancer), where the lump suddenly appears, grows very rapidly, involves the neighbouring and distant organs, and can be fatal if not treated early.

What are the common types of cancer?

In males, where tobacco addiction is a common problem, the most com-

mon cancers are those of the oral cavity, lung, and prostate. In females, in rural populations, the most common cancer is that of the uterine cervix, whereas that of urban women is breast cancer.

What are the causes of Cancer?

Unfortunately, the causes of half of all cancers are still not clear, and several studies are going on worldwide to determine this. In 40 per cent of cases, the most important cause is tobacco in any form—smoking (bidi, cigarette, hookah, etc.) and smokeless sources like paan, paan masala, gutka, khaini, jarda, etc. The other less common causative agents are diet (adulterated food, high fat and less of fruits, vegetables, and vitamins, stored and charred food), sunlight (which causes skin cancer, especially in the white race), and western lifestyle (lack of or delayed pregnancy and less breast feeding can cause breast cancer). For uterine cervical cancer, the common causes are early and multiple children, multiple partners, low personal hygiene, and infection by a virus (Human Papilloma Virus). In some cases (less than 5 per cent), a genetic abnormality is found that can predispose to cancer in many members of the same family (mainly breast, ovaries and bowel).

What are the symptoms of cancer?

Symptoms of cancer include loss of appetite and body weight, anaemia, weakness, an ulcer that is not healing, a lump that is rapidly increasing, a persistent change of voice, bleeding with a cough, a change in bowel habits, vom-

itus, stool, or urine, intermenstrual bleeding and difficulty swallowing.



COMMON MISCONCEPTIONS ABOUT CANCER

Cancer means death

Biopsy can cause cancer or spread of cancer

Surgery in cancer causes spread of cancer

Cancer is hereditary

Chemotherapy is painful and causes severe vomiting and permanent hair-loss

Cancer can cause a very painful death

ing.

How to diagnose Cancer?

should be done. Depending on the symptoms, tests are ordered. Common tests that are done are blood, stool and urine tests; chest x-ray; USG and sometimes CT scan of the abdomen; endoscopy; mammography (x-ray of the breasts); PET CT scan; etc. A good clinical examination by a specialist doctor and appropriate tests lead to a quick diagnosis. The most important and confirmatory test is a biopsy, either with a needle or by taking a piece of tissue. To exactly categorise the nature of the tumour and to decide on the exact treatment, some special tests are done nowadays, like immunohistochemistry and molecular testing.

What are the common treatments modalities for cancer?

Surgery (by removing the tumour along with a chunk of normal tissue and local glands) is the gold standard in the early stages of most cancers. Keyhole surgeries (like laparoscopic and robotic surgeries) are now possible in many cancers with much faster recovery. Additional treatment in the form of radiotherapy (blasting the cancer cells with special rays) and chemotherapy (some specific medicines to kill the cancer cells scattered around in the body) may be needed in more advanced cases. However, cancers of the blood (leukaemia) and of the glands (lymphoma) are treated with chemotherapy. The new treatment modalities with which patients, even with advanced cancer, can sometimes have prolonged survival are targeted thera-

py (where drugs can specifically target cancer cells) and immunotherapy (where the patient's immunity is increased to fight off the cancer cells).

Can cancer be cured?

In the early stages, especially in breast and colorectal cancers, there is a 90 per cent chance of getting cured. Even in Stage III and IV cancers, with proper modern treatment, life can be prolonged in certain cases. However, the aim will be to detect cancer early and start specific treatment in a proper Cancer Institute as early as possible.

TAKE HOME MESSAGE

Cancer is preventable by avoiding risk factors, especially tobacco in any form, and can be detected early if people come to doctors with symptoms without ignoring them. The more it is neglected, the worse the result, and the more aggressive and expensive the treatment. Many organs, like the breast, limbs, larynx (voice box), etc., can be preserved in early stages with the new modalities of treatment. Many cancer institutes (government, NGO, or private) have come up in West Bengal, and people don't need to travel outside the State for treatment. It is a prolonged treatment process and should be taken at a place closer to their home as per their affordability.

Together, we can conquer the disease 'cancer'. It may send a shiver down the spine, but we can prevent it and cure it.

The author is medical director & consultant surgical oncologist at Saroj Gupta Cancer Centre & Research Institute, Thakurpukur, Kolkata



ক্যানসারকে হারিয়ে সুস্থ দ্যুতি – আনন্দবাজার পত্রিকা, 19th Aug. 2023

ক্যানসারকে হারিয়ে সুস্থ দ্যুতি

নিজস্ব প্রতিবেদন

১৮ অগস্ট: গত বছরের ডিসেম্বরে দু'বার ডোপ পরীক্ষায় ব্যর্থ হয়েছিলেন বলে জাতীয় ডোপ বিরোধী সংস্থা

চার বছরের জন্য নির্বাসিত করেছে ভারতের মহিলা স্প্রিন্টার দ্যুতি চন্দকে। সংবাদ সংস্থা পিটিআইকে দ্যুতি জানালেন, ২০২১ সালে গ্রেড ওয়ান ক্যানসারে আক্রান্ত হয়েছিলেন।

চিকিৎসকের পরামর্শ মেনে হারিয়েছেন মারণব্যায়িক। এখন তিনি সুস্থ। জাতীয় ডোপ বিরোধী সংস্থার চার বছরের নির্বাসনের সিদ্ধান্তের বিরুদ্ধে আবেদন করবেন।



Chand lives, trains in fear- *The Asian Age*, 19th Aug. 2023

RATTLED | BY CANCER

Chand lives, trains in fear

New Delhi, Aug. 18: India's fastest woman runner Dutee Chand experienced the shock of her life when she was told by a doctor in November 2021 that level 1 cancer has attacked her body and she must quit the sport.

That was after she failed to go past the preliminary round in the Tokyo Olympics women's 100m and 200m races.

Sports Medicine expert Dr Sudeep Satpathy, a professor at the Kalinga Institute of Medical Sciences (KIMS) in Bhubaneswar, diagnosed the onset of level 1 cancer in Dutee's body.

"I felt very scary, nervous, thinking what has happened to my life," Dutee said, recollecting the conversation she had with the doctor her after the MRI report.

Doctor Satpathy was attached with the Indian hockey team at one point of time.

Sharing her ordeal, Dutee said her problems began with a groin injury in 2021.

"While competing in the National Inter-State Championships before the Tokyo Olympics (2021), I felt a lot of pain in the groin area. I consulted some doctors but the pain did not go. I went to Olympics (July-August, 2021) and could not do well there," she said.

"After returning from



Dutee Chand

the Olympics, the pain kept increasing. I did an ultrasound in November 2021. Nothing came in the ultrasound.

"Then I got an MRI scan done and the doctor (Sudeep Satpathy) told me that level 1 cancer attack has begun. He said I have to quit sport otherwise it will get worse."

Asked which parts of the body could have been affected by cancer, Dutee said she can think of only groin area.

"I am having testosterone hormone imbalance, so it could be from there. The groin pain was increasing slowly. Everybody was saying it's groin pain but the doctor said cancer attack can happen if it (the pain) continues."

— PTT

Date: 20/08/2023

Run to aware people of breast cancer soon- *The Asian Age*, 20th Aug. 2023

Run to aware people of breast cancer soon

Nolda: With an unwavering commitment to raising awareness and driving meaningful action against breast cancer, Ikris Pharma has announced the highly anticipated "Ikris run" which will serve as an embodiment of unity and determination, bringing together participants from all walks of life to contribute to this vital cause. Dr (Prof) Meenu Walia, Senior director and HOD, medical oncology, Max Hospital, who is also the first DNB medical oncologist of India, was the chief guest at the event. Breast cancer remains a formidable challenge that affects countless lives around the world, and the situation is no different in India.

Appendix cancer awareness month – *The Statesman*, 23rd Aug. 2023

Appendix cancer awareness month



The month of August is observed as the appendix cancer awareness month to increase awareness about this rare disease. To observe this month, a technology-driven oncology platform, Karkinos Healthcare organized awareness activities at Medella Karkinos Oncology Institute, Kolkata to know about this rare disease and role of technology and timely diagnosis for the treatment of patients. The brand urged the people that they can lower their chances of appendix cancer with some key lifestyle changes like: quit tobacco & alcohol, maintain healthy weight, do regular exercise, stick to a balanced diet, and get screening tests done.

Appendix cancer is a relatively rare type of cancer that happens when cells develop from the appendix and change and grow out of control. It is more common in people above 50 years old but may happen at any age. There are different types of appendix cancer, among these the common types are adenocarcinoma, neuroendocrine tumors and mucocoele. Symptoms of appendix cancer may include: appendicitis, bloating, abdominal or pelvic pain, increased size of the waistline, changes in bowel function, fertility problems, etc. Carcinoid tumours can occur in any part of the body but are most often found in the lower section of the small intestine. To lower the risk for cancers, people should refrain from using tobacco products and limit the amount of alcohol consumption.

Dr Akhter Jawade, director-east, Karkinos Healthcare said, "This appendix cancer awareness month, it is important to know about this rare disease and raise awareness to improve the diagnosis and treatment of patients. Since appendix cancer is rare in nature, it often goes undetected and the diagnosis is frequently made during or after surgery for appendicitis. Tobacco use can increase the chances of developing all cancer including appendix cancer. It raises the risk of developing appendix cancer more than non-smokers. Avoiding smoking and consuming alcohol would also go a long way in preventing cancers."

To make sure cancer patients are not left out and get correct and timely consultation, Karkinos Healthcare organizes regular cancer awareness programmes and early detection camps to sensitize the public of Bengal. It also encourages people to come forward and avail themselves of the smooth and accessible free digital risk assessment which helps in timely treatment of cancer, if detected.

Date: 25/08/2023

Expectant mother from Mizoram triumphs over cancer welcomes child – *The Statesman*, 25th Aug. 2023

Expectant mother from Mizoram triumphs over cancer, welcomes child:

Marina Ch Ralte, a 39-year-old expectant mother, faced a challenging situation when she was diagnosed with cancer of the uterine cervix during her pregnancy. Under the team of Dr P.K. Das, Senior Consultant, Medical Oncology, Apollo Cancer Centre, Indraprastha Apollo Hospital, New Delhi, she not only won over cancer but also gave birth to a healthy baby girl. Marina was diagnosed with a 7-cm long tumor in her uterine cervix.

Date: 29/08/2023

CANCER PROBLEM- *The Statesman*, 29th Aug. 2023

CANCER PROBLEM

A three-fold increase in the death-rate from cancer in the space of two generations, although there has been a substantial reduction in the number of deaths from tuberculosis and other causes, is mentioned in the report of the Cancer Committee of the Health Ministry. The Committee, who confess to complete ignorance as to the cause or cure of cancer deprecate quack remedies and suggest cooperation throughout the country between doctors and the local health authorities. Dwelling on chronic irritation as a contributory cause of cancer, the Committee advise the removal of rough stumps of teeth, the replacement of badly fitting dentures, the abandonment of the habit of pipe smoking produces a sore spot on the lip or tongue, and the alteration of clothing causing irritation to particular regions of the body.

Scientists investigate if prostate drug could also treat breast cancer that's spread to the bone- *The Statesman*, 30th Aug. 2023

Scientists investigate if prostate drug could also treat breast cancer that's spread to the bone

Researchers at the University of Sheffield are testing new combinations of drugs to treat breast cancer that's spread to the bone, thanks to funding from Breast Cancer Now.

The charity has awarded Professor Penelope Ottewell at the University of Sheffield £142,714, to investigate whether a drug called radium-223, which is used to treat prostate cancer that's spread to the bone, could be combined with other treatments to also benefit breast cancer patients.

When breast cancer cells spread from the first cancer in the breast to other parts of the body it is called secondary or metastatic breast cancer and although treatable, it can't be cured.

An estimated 61,000 people are living with secondary breast cancer in the UK*. And in 70-80 per cent of women with secondary breast cancer, the disease has spread to the bone**.

Radium-223 is effective at treating prostate cancer that's spread to the bone and works by releasing radiation that kills cancer cells. But in clinical trials, it hasn't been as successful in getting rid of breast cancer cells in the bone.

Scientists think this is because breast cancer cells are very good at repairing their DNA when it gets damaged.

Professor Penelope Ottewell and her team will test if radium-223 can be combined with other drugs that target cancer cells' ability to repair DNA. They hope the combination of treatments will make radium-223 more effective.

The researchers will carry out tests with drugs that are already used to treat cancer, and some which are still being developed, to find out which ones are most effective at shrinking and eliminating breast cancer cells when combined with radium-223.

They will then test if this combination can get rid of inactive breast cancer cells in the bone and prevent secondary breast cancer from even developing.

Professor Penelope Ottewell from the University of Sheffield's School of Medicine and Population Health, said: "Although radium-223 is already used to treat prostate cancer that's spread to the bone, it's not been as successful in clinical trials for breast cancer. We hope by combining radium-223 with other drugs, we can unlock the potential of this treatment and help thousands of women with secondary breast cancer."

Dr Simon Vincent, Breast Cancer Now's Director of Research, Support and Influencing, said: "With 11,500 women dying from breast cancer in the UK every year, it's vital we continue to fund research to understand and treat this devastating disease."

"Breast Cancer Now is delighted to fund this new research that we hope will lay the groundwork for clinical trials into new treatment combinations for secondary breast cancer in the bone. And even help to stop secondary breast cancer developing in the bone in the first place."

Breast Cancer Now is here for anyone affected by breast cancer, providing support for today and hope for the future.

**August
2023**

Newspaper Clips



**Chittaranjan National Cancer Institute
CNCI Library**